बाल मन कैमूर

माह जून
वर्ष 2022

अंक 6

संपादक :- धीरज कुमार
जिला :- कैमूर,राज्य:- बिहार

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) कैमूर
शिक्षा भवन भभुआ कैमूर

[शुभकामना संदेश]

अपार हर्ष के साथ कहना है की सरकारी विद्यालय के प्रतिभावान बच्चो के प्रतिभा को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के सकारात्मक ऊर्जा द्वारा ToB "बाल मन कैमूर" मासिक पत्रिका बच्चो और शिक्षको के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की तरह है जिसके माध्यम से बच्चो के कलात्मक,रचनात्मक, कल्पनाशीलता सृजनात्मक और बौद्धिक क्षमता के साथ सर्वांगीण विकास हो रहा है।सरकारी विद्यालय के बच्चो ने भी इस पत्रिका के माध्यम से अपने प्रतिभा के परचम को राज्य स्तरीय पटल पर लहराने को प्रेरित किया है।इस नवाचार को अपनाने और बच्चो के लिए समर्पण भाव से कार्य करने के लिए मैं अपने तरफ से इस पत्रिका के संपादक धीरज कुमार और उनके टीम में शामिल सभी शिक्षको का आभार व्यक्त करते हुए बाल मन कैमूर को अपनी शुभकामना देते हुए सरकारी विद्यालय के बच्चो के उज्ज्वल और सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित।

दयाशंकर सिंह
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
स्थापना कैमूर (भभुआ)।

सम्पादकीय

प्यारे बच्चो

नमस्कार

हम आप सभी के ढेर सारे प्यार और स्नेह के लिए हमारी पूरी टीम आप सभी के आभारी है।हमे व्हाट्सएप के माध्यम से आपके संदेश प्राप्त हो रहे है।आप सभी इस मासिक पत्रिका को अपने शिक्षको के द्वारा या कई ग्रुप के माध्यम से प्राप्त कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है, जो हमे और भी नया और अच्छा करने की प्रेरणा दे रही है। पत्रिका के छठे अंक को प्रकाशित कर आपको समर्पित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।हमारे इस पत्रिका के माध्यम से सरकारी विद्यालय के बच्चो से जुड़ने का नवाचार आप सभी को पसंद आ रहे है।इस पत्रिका की प्रशंसा हमारे कैमूर जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी महोदय के साथ जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) महोदय ने भी अपने शुभकामना संदेश द्वारा की है।इसके साथ ही सरकारी विद्यालय के बच्चो में इस पत्रिका के माध्यम से एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

हम आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास करते है की मेरे द्वारा प्रकाशित बाल मन कैमूर पत्रिका आपकी प्रतिभा को केवल जिला स्तर पर ही नही अपितु राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर भी एक अलग पहचान प्राप्त कराएगी।हमारी पूरी कोशिश है की हम बेहतर से भी बेहतर करे। यदि अनजाने में किसी प्रकार की त्रुटि या भूल हुई होगी तो हम उसे सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे।भूल-चुक के लिए हम क्षमाप्रार्थी है।आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

आपका
धीरज कुमार
U.M.S.सिलौटा भभुआ कैमूर(बिहार)

सहयोगकर्ता सदस्य:-

1. हरिदास शर्मा (राजकीयकृत मध्य विद्यालय डहरक रामगढ़)
2. अवधेश राम (UMS बहुवरा भभुआ)
3. ब्रजेश कुमार (UHS हरदासपुर कुदरा)
4. अशोक कुमार (NPS भटवलिया नुआंव)
5. खुश्बू कुमारी (UMS दुघरा भभुआ)
6. कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)
7. रिंकी शर्मा (आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़)
8. गणेश श्रीवास्तव (आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़)
9. डॉक्टर वंदना (उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बरडीहा चैनपुर)
10. अफजल अंसारी (UMS बिठवार भभुआ)
11. कुसुम कुमारी (प्रथिमक विद्यालय गजराढी कुदरा)
12. रजनीश कुमार पाठक (प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर मोहनिया)
13. रागिनी कुमारी (प्राथमिक विद्यालय भभुआ 18)
14. संजय कुमार (UMS कझार कला भभुआ)
15. श्रवण कुमार (UMS सरेवां भगवानपुर)
16. आलोक मिश्रा (NPS कृष्णापुर भगवानपुर)

प्रेरक प्रसंग

सेठ अमीरचंद के पास अपार धन दौलत थी। उसे हर तरह का आराम था लेकिन उसके मन को शांति नहीं मिल पाती थी। हर पल उसे कोई न कोई चिंता परेशान किये रहती थी। एक दिन वह कहीं जा रहा था तो रास्ते में उसकी नजर एक आश्रम पर पड़ी। वहाँ उसे किसी साधु के प्रवचनों की आवाज सुनाई दी। उस आवाज से प्रभावित होकर अमीरचंद आश्रम के अन्दर गया और बैठ गया।

प्रवचन समाप्त होने पर सभी व्यक्ति अपने अपने घर को चले गये। लेकिन वह वहीँ बैठा रहा। उसे देखकर संत बोले, 'कहो, तुम्हारे मन में क्या जिज्ञासा है, जो तुम्हें परेशान कर रही है। ' इस पर अमीरचंद बोला 'बाबा, मेरे जीवन में शांति नहीं है।' यह सुनकर संत बोले 'घबराओ नहीं तुम्हारे मन की सारी अशांति अभी दूर हो जायेगी।' तुम आंखे बन्द करके ध्यान की मुद्रा में बैठो। संत की बात सुनकर ज्यों ही अमीरचंद ध्यान की मुद्रा में बैठा त्यों ही उसके मन में इधर – उधर की बातें घूमने लगीं और उसका ध्यान उचट गया। सेठ बोला 'चलो, जरा आश्रम का एक चक्कर लगाते हैं |'

इसके बाद वे आश्रम में घूमने लगे। अमीर चंद ने एक सुंदर गुलाब का पौधा देखा तथा उसे हाथ से छुआ । हाथ लगाते ही उसके हाथ में एक कांटा चुभ गया और सेठ । बुरी तरह चिल्लाने लगे। यह देखकर संत वापस अपनी कुटिया में आए। कटे हुए हिस्से पर लेप लगाया। कुछ देर बाद वह सेठ से बोले, 'तुम्हारे हाथ में जरा – सा कांटा चुभा तो तुम बेहाल हो गए।' सोचो कि जब तम्हारे अन्दर ईर्ष्या, क्रोध व लोभ जैसे बड़े – बड़े कांटे छिपे हैं, तो तुम्हारा मन भला शांत कैसे हो सकता है ? संत की बात से सेठ अमीरचंद को अपनी गलती का अहसास हो गया। वह संतुष्ट होकर वहां से चला गया। उसके बाद सेठ अमीरचंद ने कभी भी ईर्ष्या नहीं की, क्रोध का भी त्याग कर दिया।

शिक्षा – ईर्ष्या, घृणा, द्वेष ये सभी बुराईयां मनुष्य को नरकगामी बनाती हैं। इनसे हमेशा दूर रहें।(सोशल मीडिया से)

🤔😳अजब - गजब😳🤔

1.बाघ की जीभ पर सैकड़ों धारदार मुड़े हुए सख्त बाल होते है,जिसके कारण यदि बाघ हमारी चमड़ी को सिर्फ जीभ से चाट ले तो भी हमारी चमड़ी शरीर से निकल जायेगी।

2. हिमालय में खिलने वाला नागपुष्प के बारे में यह धारणा है की यह लगभग 36 सालो मे एक बार ही देखा जा सकता है।

3.गुजरात की सेजल शाह ने चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए अपनी कार को गोबर से लीप दिया।उनकी ये पहल पर्यावरण को बचाने के संदेश के रूप में है।

4.इथोपिया एक ऐसा देश है जहा एक साल में 13 महीने और एक सप्ताह में 5 दिन वाला कैलेंडर उपयोग किया जाता है।

5. केकड़े का खून रंगहीन होता है और ऑक्सीजन मिलने के बाद यह नीला हो जाता है।

नन्हे कलाकार

प्राथमिक विद्यालय भभुआ 18

आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़

रूपाली कुमारी UMS सिलौटा

आभा कुमारी UMS सिलौटा

रिंकू कुमारी , PS गजराढी कुदरा

पहेलियां(फल विशेष)🤔

1.हरी हूं मन भरी हूं।
राजा जी के बाग में दोशाला ले कर खड़ी हूं।

2.एक फल ऐसा,कहलाए फलों का राजा।
बना कर जूस पी लो,या चूस-चूस के खा जा।।

3.कटोरे पे कटोरा,बेटा बाप से भी गोरा।

4.रस के भरे ये छोटे मटके,गुच्छे में है लटके।
लोमड़ी के मन को भाए, मिला नही तो इनको
कहते खट्टे।।

5.एक फल है ऐसा, जिसमे बीज न गुठली ।
नंगा कर के खाते इसको, नाम बताओ जल्दी।।

6.बाहर से हूं हरी भरी,अंदर हूं गुस्से से लाल।
काले काले मोती भरी मुझमें,मैं हूं रसदार।।

<u>उत्तर</u>
<u>1.मकई 2.आम 3.नारियल 4.अंगूर 5.केला 6.</u>
<u>तरबूज</u>

😂😂 चुटकुले 🤣🤣

1. गोलू :- क्या तुम एक जानवर का नाम बता सकते हो जिसका केवल एक ही दांत है और वो भी नीला।

सोनू(सोचते हुए...) :- नही मुझे नही पता।
क्या ऐसा भी जानवर होता है क्या ?

गोलू (हंसते हुए) :- तुम्हारे पास ही है।
निश्चित तौर पर तुम्हारा मोबाइल।
जिसके पास एक ब्लूटूथ है।एक ही दांत वो भी नीला😃😃😃

2.खुश्बू :- किस ट्री यानी पेड़ को मैथ के टीचर ज्यादा पसंद करते है?

सोनी :- मुझे नही पता।

खुश्बू :- ज्योमेट्री
😂😂😂😂

3. बबलू :- आज तो बहुत ज्यादा गर्मी है।
अशोक :- हां लग तो रही है....
बबलू :- चलो छत पर ठंडी हवा खा कर आते है।
अशोक:- तुम चलो ,मैं प्लेट और चम्मच ले कर आता हूं।😂😂

आपके पेंटिग 🎨🖌 भाग 1

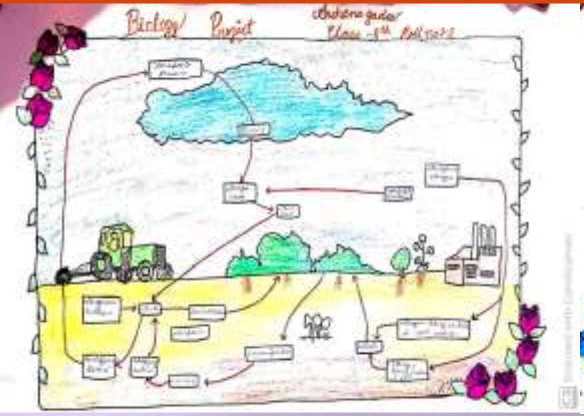

अर्चना कुमारी वर्ग 8 UHS हरदासपुर कुदरा

प्राथमिक विद्यालय मोहमदपुर मोहनियां

आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़

UMS कोटा नुआंव

आपके पेंटिग 🎨🖌 भाग 2

UMS कझार कला भभुआ

शिवम पांडे UMS बल्लीपुर भगवानपुर

PS मोहमदपुर मोहनियां

UMS सिलौटा भभुआ

कविता

शीर्षक :- साईकिल की यादें

रोम-रोम हर्षित करती है ,मधुर ध्वनि मेरे साईकिल की|

उरआनंद से भर देती है ,मधुर ध्वनि मेरे साइकिल की|

बचपन के सपनों में आती ,ट्रीन- ट्रीन की आवाज सुनाती|

भैया की थी डांट सुनाती ,कभी-कभी सब काम करवाती |

मधुर ध्वनि मेरे साईकिल की ....

हाथ- पैर थे छोटे-छोटे ,बस एक राउंड के भी थे टोटे |

पर जब भी मिलता था मौका फिर चाहे जिस किसी ने रोका|

ना रूकती थी ना सुनती थी ,पंख लगाकर उड़ती फिरती थी |

भले कैची ही चला करती थी ,अभी भी पुलकित करती हैं |

मधुर ध्वनि मेरे साईकिल की, उर आनंद से भर देती है मधुर ध्वनि मेरे साईकिल की...

खुशबू कुमारी
UMS दुघरा(भभुआ)कैमूर

शीर्षक :- प्यारी मां

प्यारी मां प्यारी मां,सबसे अच्छी मेरी मां।
जब जब मैं रोता,मुझे चुप कराती मां।।

मुझे दूध पिलाती मां,अंगुली पकड़कर चलना सिखाती।
जब मैं गिर जाता तो,फिर से उठाती मां।।

कप कपाती ठंड में मुझे,सीने से लगाती मां।
चिलचिलाती धूप में भी,मुझे आंचल ओढ़ाती मां।।

बरसात के दिनों में भी,खुद भीग कर बचाती मां।
दुनिया के सभी सुख,मुझ पर लुटाती मां।।

अंधेरी रात में भी,मुझे सुलाती मां।
जब मैं नहीं सोता,लोरियां सुनाती मां।।

खुद भूखे रहकर भी,मुझको खिलाती मां।
नंगे पांव खुद चल कर,मुझे गोद में उठाती मां।।

खुद मेहनत मजदूरी करके,मुझको पढ़ाती मां।
मेरा बेटा पढ़े लिखे,दिहाड़ी भी लगाती मां।।

दुनिया की सुख शांति,कदमों में रख जाती मां।
खुद भूखे रहकर,अपने लाल को खिलाती मां।।

अपने पैदल चलकर,मुझको कंधे पर उठाती मां।
पांव में पड़ जाते छाले,खुद सह जाती मां।।

मां का रिश्ता सबसे प्यारा ,ममत्व की मूर्ति होती मां।
अपना आंसू पोंछ कर,हमको हंसाती है मां।।

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय भटवलिया
नुआंव कैमूर

कविता

शिक्षक

=====

मन में संकल्प, आंखों में सपना लिए हम,
सोये हुए को जगाने चले हैं।
वक्त की आंधियों से जो बच ना सके,
उस उजड़े चमन को सजाने चले हैं।
निकलो अंधेरे को चिरकर के प्यारे,
तुझे रोशनी हम दिखाने चले हैं।
सीखने की राहें कठिन हैं नहीं,
करके प्रयोग सबको बताने चले हैं।
निष्ठा से शिक्षा की ज्योति जलाकर,
अंधेरा वतन का मिटाने चले हैं।
शिक्षक हैं, प्रहरी वतन के हैं हम,
फर्ज अपना बखूबी निभाने चले हैं।

अवधेश राम,उत्क्र.म.वि.बहुआरा,
भभुआ, कैमूर।

शीर्षक :- क्षमा भाव

है इंसान का जीवन पाया तो...
गलती तो सभी से होती है।

हम चाहे जितना भी भूल ना हो...
पर कही कभी अनजाने में भी गलती होती है।।

अपनी गलती स्वीकार कर ले जो....
तब क्षमा भाव से क्षमा करनी तो बनती है।

लेकिन जब खुद में अहंकार हो....
तब एक दूजे में बात बनती नही,बिगड़ती है।।

छोटी छोटी बातो पर भी...
एक जंग महाभारत जैसी छिड़ती है।

जिसने भी सीखा क्षमा भाव तो....
उसके साथ के सभी रिश्ते में हीरे सी चमक चमकती है।।

छोटे हो या बड़े कोई भी ....

क्षमा भाव सभी में जब पलती है।

हर जगह सम्मान उनको है मिलता, रिश्तों की सुंदर माला बनती है।

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ जिला कैमूर(बिहार)

कहानी

शीर्षक :- डर के आगे जीत है।

एक बार एक शिल्पकार एक पहाड़ के आस-पास एक मूर्ति बनाने हेतु पत्थर की खोज कर रहा था।खोजते हुए उसकी नजर दो पत्थरों पर पड़ा।उसने उन पत्थरों से बातचीत करनी शुरू की।उसने पत्थरों से कहा की मैं अपनी छेनी,हथौड़ी और नुकीले औजारों से उन पर प्रहार करूंगा लेकिन जब उसका कार्य समाप्त हो जायेगा तो लोग की नजर में उनका मूल्य बहुत बढ़ जाएगा।

शिल्पकार की बाते सुनते है पहला पत्थर तुरंत बोल पड़ा की" मैं इतनी चोट सहन नही कर सकता हूं।मैं जहां हूं अभी आराम से हूं,बाद में जो होगा देखेंगे"।पहला पत्थर डर कर हार मानते हुए सोचता है की मैं शिल्पकार की चोट सहने से बच गया।
इसी बीच दूसरा पत्थर धैर्य से शिल्पकार की बात सुनते हुए कहता है की "जिंदगी भर की चोट सहने से अच्छा है की यदि आप कह रहे है की कार्य समाप्ति पर मेरा मूल्य बढ़ जाएगा तो डरने की जरूरत मुझे नही"।

डर के आगे जीत की परिकल्पना के साथ उसने खुद को शिल्पकार को समर्पित कर दिया।शिल्पकार ने अपनी पूरी मेहनत और कलाकारी के साथ अपने छेनी, हथौड़ी और नुकीले औजारों से काटते और प्रहार करते हुए उस दूसरे पत्थर को एक मूर्ति का रूप प्रदान कर दिया और उसे उस पहाड़ी पर स्थापित कर दिया।

आज भी वो पत्थर मूर्ति के रूप में उस पहाड़ पर लोगो के द्वारा श्रद्धापूर्वक पूजा जाता है।लोग उसकी पूजा करते है।वही दूसरी तरफ वो पहला पत्थर जिसने डर के कारण चोट सहने से इंकार कर दिया था,वो आज भी जिंदगीभर लोगो की चोट सह रहा है।लोग पूजा कर उस पर प्रहार कर नारियल फोड़ते है।अब वो अपने डर के कारण शिल्पकार की बात नही मानने पर पछता रहा था।

इसी लिए तो कहा जाता है की डर के आगे जीत है।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

UMS कोटा नुआंव

UMS दुघरा भभुआ

UMS सरेवां भगवानपुर

U.M.S. SILAUTA
SUMMER
VACATION
UMS सिलौटा भभुआ

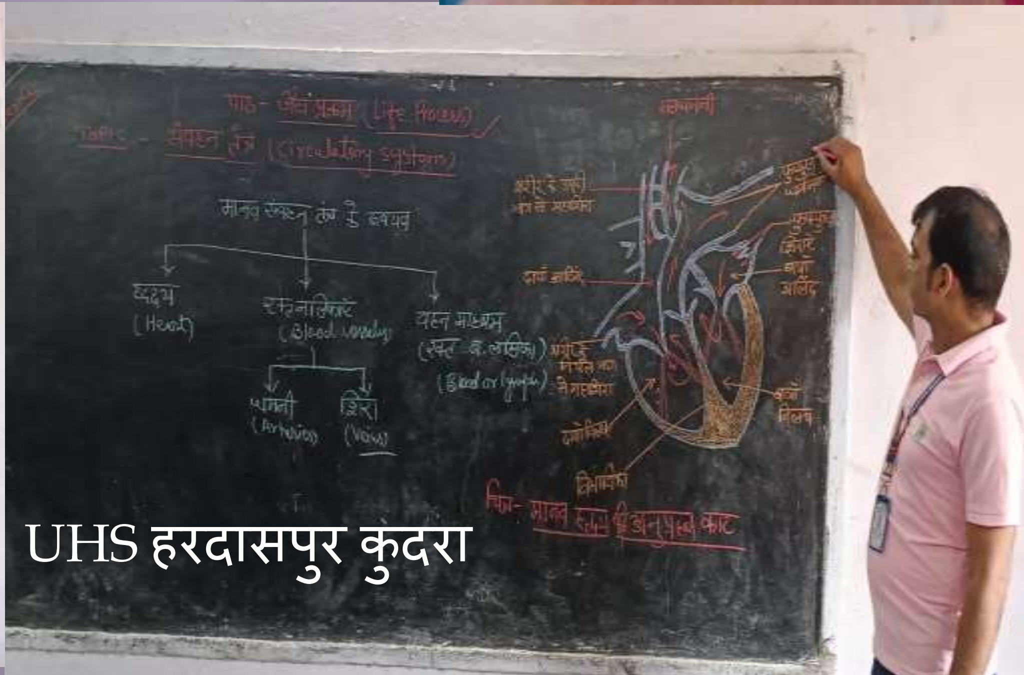
UHS हरदासपुर कुदरा

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बरडीहा(चैनपुर) प्रयोगशाला और पुस्तकालय में बच्चे

चेतना सत्र राजकीयकृत मध्य विद्यालय डहरक रामगढ़

UMS बिठवार भभुआ में ग्रीष्मावकाश के पूर्व प्रिंटेड होम वर्क केसाथ बच्चे

आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़ मे बच्ची द्वारा चित्रण

टी.एल.एम. द्वारा शिक्षण भाग-6

=====================

भिन्नों का रुपान्तरण भाग-2

====================

अवधेश राम,उत्क्र.म.वि.
बहुआरा, भभुआ, कैमूर

साड़ी के डिब्बे से बने इस टी.एल.एम.के सहारे हम साधारण भिन्न को दशमलव भिन्न तथा दशमलव भिन्न को साधारण भिन्न में बदल सकते हैं।इसे बनाने के लिए साड़ी के डिब्बे के बीचों-बीच चित्रानुसार एक वर्ग बनाकर उसे 100 छोटे-छोटे वर्गों में विभाजित करते हैं। कुट के वृताकार पट्टियों पर दर्शाये अनुसार अंकों को लिखकर सुई धागे की मदद से चित्रानुसार लगाते हैं।

प्रयोग विधि: यहां हमें ध्यान देने की जरूरत है कि बड़ा वर्ग संपूर्ण अर्थात एक का द्योतक है।10 छोटे वर्गों की खड़ी पट्टी दशांश तथा एक छोटा वर्ग शतांश को दर्शाता है।अब मान लिया जाए 25/100 को दशमलव भिन्न में बदलना हो तो हम 100 भाग में 25 भाग लेंगे।25 भाग का मतलब 10-10 भाग की 2 लम्बी पट्टी और 5 छोटे वर्ग। अर्थात 2 दशांश और 5 शतांश यानी 0.25 होगा।

इसी तरह से दशमलव भिन्न को साधारण भिन्न में बदला जा सकता है।

धन्यवाद।

STUDENT OF THE MONTH

बाल मन पत्रिका के तरफ से बहुत बहुत बधाई।

नाम:- प्रियंका कुमारी
वर्ग :-10
सेक्शन :B
विद्यालय :- आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़ (कैमूर)
उपलब्धि:- आकर्षक और ज्ञानवर्धक चित्रकारी के द्वारा बुक कवर के साथ विद्यालय गतिविधि में महत्वपूर्ण भूमिका ।

TEACHER OF THE MONTH

बाल मन पत्रिका के तरफ से बहुत बहुत बधाई।

नाम :- ब्रजेश कुमार
पद:- प्रभारी प्रधानाध्यापक
विद्यालय :- उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर प्रखंड:- कुदरा ,जिला:- कैमूर(बिहार)
उपलब्धि :- विद्यालय में शिक्षको के लिए ड्रेस कोड की शुरुआत,विद्यालय अवधि के उपरांत विद्यार्थियों को अलग से कोचिंग की व्यस्था,प्रभावी TLM की सहायता से पढ़ाई, ग्रीष्मावकाश में ऑनलाइन स्पेशल क्लास का संचालन आदि।

खुद को परखे (सामान्य

1. QR CODE का फुलफॉर्म क्या होता है?

2. कबड्डी के खेल में एक टीम में खिलाड़ी की संख्या कितनी होती है?

3. बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री का नाम बताए।

4. स्वस्थ व्यक्ति का रक्तचाप कितना होता है ?

5. कोशिका की खोज किसने की ?

सबसे पहले सही उत्तर को भेजने वाले विद्यार्थी का नाम और विद्यालय का नाम पत्रिका के अगले अंक में प्रकाशित की जाएगी।

आओ कुछ ऐसे भी सीखे...

दोहा	स्पष्टीकरण
मटर उगाकर खेत, दिया नाम विज्ञान ! आनुवंशिकी के पिता, मेंडल हुये महान !	आनुवंशिकता के नियम – ग्रेगर जान मेंडल
दूर देश के मित्रों से, बात कराता कौन ! ग्राहम बेल का शुक्रिया, दे गये टेलीफोन !	टेलीफोन का आविष्कार – ग्राहम बेल
नीले लिटमस पत्र को, कर देते वह लाल ! कहते है हम अम्ल उसे, अंग न देना डाल	अम्ल नीले लिटमस पत्र को लाल कर देता है क्षार लाल लिटमस पत्र को नीला कर देता है
किसी जीव का किस जगत, होता है स्थान ! ऐसा लीनियस ने दिया, वर्गीकरण विज्ञान !	जीवधारियों का वर्गीकरण – लीनियस
जिसको चाहे भेज दो, अब तुम टेलीग्राम ! मारकोनी का शुक्रिया, उसको करो सलाम !	टेलीग्राम का आविष्कार – मारकोनी
फिल्म देखने का जिसे, सचमुच में है शौक ! एडीसन ने पेश किया, उसको बाइस्कोप !	बाइस्कोप का आविष्कार – एडीसन
कैसी तारों की बस्ती, या उनका आलोक ! गैलिलियो ने बता दिया, देकर टेलीस्कोप !	टेलीस्कोप का आविष्कार – गैलिलियो
चाहे तुम सूट सिलाओ, या सिलवाओ जीन्स ! एलियास देकर गये, ऐसी सिलाई मशीन !	सिलाई मशीन का आविष्कार – एलियास होवे

संकलन कर्ता– ब्रजेश कुमार(प्रभारी प्रधानाध्यापक)

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर, कुदरा

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाईल नंबर 9431680675 पर दे सकते है।

विजेता

पिछले अंक में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी के सही जवाब देने वाले विद्यार्थी है:-

गुंजन केशरी

मध्य विद्यालय अखलासपुर(भभुआ)